PT. RONU MAJUMDAR

Pt. Ronu Majumdar is India's ace flautist who has the credit of popularizing Indian Flute (Bansuri) in the younger generation of this era all over the globe. He is considered as the most respected name in the Indian Flute Playing of this era. When it comes to Flute, he is a style maker and has invented unique style of rendering the Raga, which has good mixture of 'Drupad Gayaki' with 'Laykari'.

2. Born on 28th July 1965, Pt. Majumdar began playing the flute under the guidance of his father Dr. Bhanu Majumdar, late Pt. Lakshman Prasad Jaipurwale and finally the revered Pt. Vijay Raghav Rao. He was also fortunate to receive training from his grand guru Pt. Ravi Shankar. A powerhouse performer, he is firmly rooted in the Maihar gharana. He has created an enviable niche for himself in the field of contemporary popular music which is exemplified by his Grammy Nomination in 1996.

3. Pt. Majumdar has conducted a concert of 5,378 flautists on one stage called 'Venu Naad'. This event is being recorded in Guinness Book of World Records. His another World Record was when his composition 'Samved' was played at the Tansen festival at Gwalior on 15th December 2024. He was the music composer and lead of the 'Largest Hindustani Classical Band' where 546 participants played different musical instruments together. This also is included recently in the Guinness Book of World Records. He has composed music for India's first I-Max film “Mystic India”.

4. Pt. Majumdar has been felicitated with numerous remarkable accolades for his mesmerizing performances worldwide. He has been awarded the 'Sangeet Natak Academi Award for 2014' for his contribution to Hindustani Instrumental Music - Flute. Films Division of India has produced a documentary film on him called 'Bansuriwala'. He has also been bestowed with All India Radio Award {1981}; Aditya Vikram Birla Award {1996}; National Kumar Gandharva Award {2006} and Lifetime Achievement Award by Navbharat Times by the Chief Minister of Maharashtra Shri Devendra Phanavis.

पं. रोनू मजुमदार

पं. रोनू मजुमदार भारत के प्रमुख बांसुरी वादक हैं जिन्हें इस युग की युवा पीढ़ी में भारतीय बांसुरी को विश्व भर में लोकप्रिय बनाने का श्रेय जाता है। उन्हें इस युग के भारतीय बांसुरी वादन में सबसे सम्मानित नाम माना जाता है। जब बांसुरी की बात आती है, तो वह एक शैली निर्माता हैं और उन्होंने राग प्रस्तुत करने की अनूठी शैली का आविष्कार किया है, जिसमें 'द्रुपद गायकी' के साथ 'लयकारी' का अच्छा मिश्रण शामिल है।

2. 28 जुलाई, 1965 को जन्मे, पं. मजुमदार ने अपने पिता डॉ. भानु मजुमदार, स्वर्गीय पं. लक्ष्मण प्रसाद जयपुरवाले और अंत में आदरणीय पं. विजय राघव राव के मार्गदर्शन में बांसुरी बजाना शुरू किया। वह भाग्यशाली रहे कि उन्हें अपने महान गुरु पं. रवि शंकर से प्रशिक्षण लेने का अवसर मिला। एक उत्कृष्ट स्तर के प्रदर्शनकर्ता, वह मैहर घराने से जुड़े हुए हैं। उन्होंने समकालीन लोकप्रिय संगीत के क्षेत्र में अपने लिए एक उल्लेखनीय स्थान बनाया है, जिसका उदाहरण वर्ष 1996 में उनका ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामांकन है।

3. पं. मजुमदार ने 'वेणु नाद' नामक एक मंच पर 5,378 बांसुरी वादकों का संगीत कार्यक्रम आयोजित किया है। इस कार्यक्रम को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया जा रहा है। उनका एक और विश्व रिकॉर्ड तब बना जब उनकी रचना 'सामवेद' को 15 दिसंबर 2024 को ग्वालियर में तानसेन समारोह में प्रदर्शित किया गया। वह 'सबसे बड़े हिंदुस्तानी शास्त्रीय बैंड' के संगीतकार और प्रमुख थे, जिसमें 546 प्रतिभागियों ने एक साथ विभिन्न संगीत वाद्ययंत्र बजाए। इसे हाल ही में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी शामिल किया गया है। उन्होंने भारत की पहली आई–मैक्स फिल्म "मिस्टिक इंडिया" के लिए संगीत तैयार किया है।

4. पं. मजुमदार को दुनिया भर में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए कई उल्लेखनीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्हें हिंदुस्तानी वाद्य संगीत – बांसुरी में उनके योगदान के लिए 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 2014' से सम्मानित किया गया है। भारतीय फिल्म प्रभाग ने उन पर 'बांसुरीवाला' नामक एक वृत्तचित्र फिल्म बनाई है। उन्हें ऑल इंडिया रेडियो पुरस्कार {1981}; आदित्य विक्रम बिड़ला पुरस्कार {1996}; राष्ट्रीय कुमार गंधर्व पुरस्कार {2006} और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फणवीस द्वारा नवभारत टाइम्स के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।